कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CBKG-004

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र

(सी.बी.के.जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

सी.बी.के.जी.-004 : कालगणना और ऐतिहासिक कालक्रम

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *इस प्रश्न पत्र में* **दो** *खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) भारतीय कालगणना का वर्तमान में उपलब्ध सबसे प्राचीन ग्रन्थ कौन-सा है ? कालगणना के सिद्धान्तों को बताने वाले किन्हीं **दो** आचार्यों का परिचय दीजिए।

(ख) काल की गणना करते हुए आधुनिक विज्ञान की सीमाएं क्या हैं, स्पष्ट कीजिए।

(ग) ऐतिहासिक कालगणना में भूगर्भशास्त्र की भूमिका का वर्णन कीजिए।

(घ) भारतीय मतानुसार मानव सृष्टि-रचना गणना को स्पष्ट कीजिए।

(ङ) मन्वन्तरों के इतिहास पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. सूर्य सिद्धान्त के अनुसार चान्ह एवं सौरमास का वर्णन कीजिए। 5

3. सिद्धान्त शिरोमणि का परिचय दीजिए। 5

4. कालगणना में आर्यभट्ट का वैशिष्ट्य लिखिए। 5

5. जीवाश्म के सन्दर्भ में भूगर्भशास्त्रीय कालगणना के सिद्धान्त को लिखिए। 5

6. पुरातत्व के जन्म और विकासक्रम को संक्षिप्त रूप से लिखिए। 5

7. सप्तर्षि संवत् का वर्णन कीजिए। 5

8. लंबे कालखण्ड के इतिहास लेखन में क्या समस्याएँ आती हैं ? 5

9. विक्रम संवत् का वर्णन कीजिए। 5